कोर्स:- बी.ए. (भाग- III)

विषय: - राजनीति विज्ञान

ऑनलाइन क्लासनोट्स संख्या: - ०2

(कोरोनोवायरस महामारी के कारण कक्षाओं के नुकसान के बदले में क्लास नोट्स)

(ऑनर्स के पाठ्यक्रम के लिए प्रासंगिक)

प्लेटो (PLATO): शिक्षा का सिद्धांत (THEORY OF EDUCATION)

शैक्षिक संदर्भ (Educational Context)

- प्लेटो ने एथेंस में एक युवा के रूप में विशिष्ट शिक्षा प्राप्त की।
- उस समय एथेंस में स्कूली शिक्षा प्रणाली का निजीकरण कर दिया गया था। यह एक राज्य प्रायोजित सार्वजनिक शिक्षा नहीं थी।
- प्लेटो शिक्षा की स्पार्टन प्रणाली से बहुत प्रभावित था। एथेंस में शिक्षा प्रणाली को निजी तौर पर स्पार्टा के विपरीत नियंत्रित किया गया था जहां शिक्षा राज्य द्वारा नियंत्रित थी।
- एथेंस में स्कूली शिक्षा अनिवार्य नहीं थी। यह सभी के लिए खुला नहीं था। यह उपलब्ध था केवल नागरिकों के पुरुष बच्चों के लिए। महिलाओं के लिए शिक्षा के अवसर लगभग अनुपस्थित थे।
- प्लेटो प्राकृतिक क्षमताओं के आधार पर पुरुषों और महिलाओं के लिए समान शिक्षा का सुझाव देने वाला पहला व्यक्ति था।

- प्लेटो ने 387 ईसा पूर्व में 'द एकेडमी' की स्थापना की, जो ग्रीस में उच्च शिक्षा का पहला संस्थान था।
- शिक्षण की विधि थी - प्रश्न और उत्तर, तर्क और चर्चा।
- अकादमी में पढ़ाए जाने वाले विषयों में दर्शन, गणित, खगोल विज्ञान और ज्यामिति शामिल थे।

प्लेटो: शिक्षा का सिद्धांत (Plato: Theory of Education)

- प्लेटो की पुस्तक 'रिपब्लिक' कई मायनों में उल्लेखनीय है और इसी में से एक है उनकी शिक्षा योजना। शिक्षा उनके नए सामाजिक व्यवस्था की कुंजी थी।
- प्लेटो ने अपनी पुस्तक में जिस तरह के राज्य को आदर्श बनाया है, वह अच्छे शिक्षण संस्थान की व्यवस्था के बिना हासिल करना असंभव था।
- उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि गुण (Virtue) ज्ञान (Knowledge) है और जिनके पास आइडिया ऑफ गुड (Idea of Good) का ज्ञान है, वे शासक हैं।
- प्लेटो सुकराती हुक्म में विश्वास करता है कि गुण ज्ञान है। उनका मानना है कि यह ज्ञान के माध्यम से ही आइडिया ऑफ गुड के बारे में पता चल सकता है।
- आदर्श राज्य को साकार करने में प्लेटो ने शिक्षा को जो महत्व दिया, उसके कारण रूसो की यह टिप्पणी आई कि प्लेटो का 'रिपब्लिक' शिक्षा पर लिखा गया सबसे अच्छा ग्रंथ है।
- रिपब्लिक में, प्लेटो कहता है कि नैतिक सुधार और मानव आत्मा को समृद्ध करने के लिए शिक्षा आवश्यक है।
- दार्शनिक द्वारा शासित राज्य को केवल शिक्षा की एक समग्र प्रणाली द्वारा बनाए रखा जा सकता है।
- शिक्षा को राज्य द्वारा नियंत्रित और नियंत्रित करने की आवश्यकता है।
- इसीलिए प्लेटो ने कहा कि एक शासक को भी एक दार्शनिक होना चाहिए क्योंकि एक दार्शनिक शासक को आइडिया ऑफ गुड का ज्ञान हो सकता है और इस प्रकार वह शहर-राज्यों को आदर्श राज्य के समान बना सकता है।
- प्लेटो की शिक्षा की योजना ने दार्शनिक राजाओं के उत्पादन पर जोर दिया।

- दार्शनिक शासक (अभिभावक) शिक्षा के माध्यम से ही दार्शनिक बन सकता है। उसे शिक्षा की कठोर प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है।
- प्लेटो व्यक्तियों में प्रकृति और पोषण के महत्व के बारे में बात करता है।
    - ❖ प्लेटो ने स्वीकार किया कि मनुष्य कुछ पूर्व निर्धारित बुद्धिमत्ता के साथ पैदा होते हैं।
    - ❖ हालांकि, उसी समय, उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के माध्यम से कोई भी कौशल हासिल कर सकता है।
    - ❖ प्लेटो के अनुसार, प्रतिभा और प्रशिक्षण दोनों ही किसी व्यक्ति में सर्वश्रेष्ठ योगदान देने के लिए महत्वपूर्ण हैं।
    - ❖ दिलचस्प बात यह है कि प्लेटो ने कहा कि अभिभावक वर्ग के बच्चे सैनिक या कारीगर बन सकते हैं और इसका उल्टा भी सच है।
    - ❖ यह शिक्षा के महत्व पर उनके आग्रह के बारे में भी एक महत्वपूर्ण बिंदु है।
- बच्चों का प्रारंभिक जीवन बहुत महत्वपूर्ण है। कम उम्र में बच्चे मोम की तरह होते हैं और उन्हें आकार में ढाला जा सकता है। इसलिए प्लेटो के अनुसार, शिक्षा, जन्म से ही शुरू होनी चाहिए।
- प्लेटो शिक्षा को दो भागों में विभाजित करता है - प्राथमिक शिक्षा और उच्च शिक्षा।

<u>प्राथमिक शिक्षा (Elementary Education)</u>

- प्रारंभिक शिक्षा को 3 भागों में बांटा गया है:
- पहला चरण (0-6 वर्ष)
    - ❖ बच्चों (लड़कों और लड़कियों दोनों) की शिक्षा का पहला चरण जन्म के समय से शुरू होता है और 6 वर्ष की आयु तक रहता है। इस स्तर पर शिक्षा का उद्देश्य उचित प्रदर्शन और उदाहरण प्रदान करना है।
    - ❖ शिक्षकों को उदाहरण देकर सिखाना चाहिए। प्रारंभिक अवस्था में बच्चों को गीत, किस्से और ऐतिहासिक या पौराणिक वीर उदाहरणों के माध्यम से नैतिकता और अच्छाई सिखाई जाती है।
- दूसरा चरण (6-18 वर्ष)
    - ❖ शिक्षा के पहले चरण में संगीत के माध्यम से उपयुक्त अभिविन्यास विकसित करने पर जोर दिया गया है जो आत्मा को विकसित और परिष्कृत करता है।

- दूसरे चरण में आत्मा के साथ-साथ शरीर के एक साथ विकास के लिए जिमनास्टिक को संगीत में जोड़ा जाता है।
- संगीत में साहित्य शामिल है; कविता; गीत; नृत्य और वाद्य संगीत। इस स्तर पर संगीत का दायरा चुनिंदा सामंजस्य और लय को शामिल करके एक उच्च रूप लेता है।
- जिमनास्टिक स्वास्थ्य देखभाल के बारे में है - स्वस्थ शरीर का रखरखाव। इसमें सरल आहार और शरीर को ठीक करने के नुस्खे शामिल हैं।

- तीसरा चरण (18-20 वर्ष)
  - प्रारंभिक शिक्षा के अंतिम दो वर्ष अनिवार्य सैन्य प्रशिक्षण के लिए समर्पित हैं।
  - यह चरण बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि संगीत आत्मा का पोषण करता है और शरीर का व्यायाम करता है।
  - संगीत और जिम्नास्टिक में 20 साल की शिक्षा के बाद, प्लेटो एक पहले महान उन्मूलन परीक्षण का सुझाव देता है।
  - जो लोग एलिमिनेशन टेस्ट पास करते हैं वे उच्च शिक्षा में भर्ती हो जाते हैं और बाकी अनुशासित सैनिकों के रूप में योद्धाओं की जिम्मेदारी लेते हैं।

<u>उच्च शिक्षा (Higher Education)</u>

- प्लेटो उच्च शिक्षा को 3 भागों में बांटा है।
- पहला चरण (20-30 वर्ष)
  - इस चरण में छात्रों को वैज्ञानिक शिक्षा दी जाती है।
  - संगीत और शारीरिक प्रशिक्षण में प्रारंभिक शिक्षा के 20 साल बाद, सफल उम्मीदवारों को गणित (अंकगणित) जैसे विषयों से परिचित कराया जाता है; ज्यामिति; खगोल विज्ञान; ज्योतिष और सामंजस्य।
  - वैज्ञानिक शिक्षा युवाओं को सच्चाई के प्रति प्रेरित करती है।
  - विभिन्न विषयों के महत्व को रेखांकित करते हुए, प्लेटो युद्ध संरचनाओं और रणनीतियों में उनकी उपयोगिता पर जोर देता है।
  - वैज्ञानिक शिक्षा के 10 वर्षों के अंत में, दूसरा महान उन्मूलन परीक्षण है।

- ❖ जो लोग इस अंतिम परीक्षा को क्लियर करते हैं, उन्हें उच्च शिक्षा के लिए डायलेक्टिक्स में सिफारिश की जाती है और जो असफल होते हैं उन्हें अधीनस्थ प्रशासनिक और सैन्य कार्यालयों के लिए चुना जाता है।

- दूसरा चरण (30-35 वर्ष)
  - ❖ उच्च शिक्षा के लिए चुने गए छात्रों को डायलेक्टिक्स सिखाया जाता है - विचारों की अदृश्य, अमूर्त दुनिया में दार्शनिक यात्रा - अगले पांच वर्षों तक।
  - ❖ डायलेक्टिक्स में प्रशिक्षण उन्हें अच्छे के विचार को समझने में सक्षम बनाता है।
- तीसरा चरण (35-50 वर्ष)
  - ❖ 5 साल तक डायलेक्टिक्स में प्रशिक्षण के बाद, छात्र संभावित दार्शनिक राजा और रानी बन जाएंगे।
  - ❖ उसे उच्च प्रशासनिक और सैन्य पदों पर काम करके अपने दार्शनिक सिद्धांतों को 15 साल के लंबे प्रशिक्षु द्वारा व्यवहार में लाना होगा।
  - ❖ जो लोग इन पदों पर काम करने वाले कठिन कार्यों को संभालने में अपनी योग्यता साबित करते हैं, वे 50 साल की उम्र में दार्शनिक राजा / रानी बन जाते हैं।
  - ❖ इस प्रकार 50 वर्षों की लंबी कड़ी शिक्षा के परिणामस्वरूप दार्शनिक का निर्माण होता है, जो उनके उच्च कोटि के वैज्ञानिक और दार्शनिक हैं।
  - ❖ शिक्षा के पूरा होने के बाद, दार्शनिक राजा / रानी खुद को सच्चाई के चिंतन और लोगों की भलाई के लिए समर्पित करते हैं और उन्हें जीवन के सिर्फ तरीकों के लिए मार्गदर्शन करते हैं।

<u>शिक्षा पर प्लेटो की योजना की विशेषताएं</u>

- यह राज्य-विनियमित अनिवार्य शिक्षा है।
- प्लेटो ने माता-पिता के साथ शिक्षा के विकल्प को रखना कभी स्वीकार नहीं किया और इसे अनिवार्य बनाने पर जोर दिया।
- उन्होंने कहा कि शिक्षा को राज्य के सभी नागरिकों के लिए अनिवार्य बनाया जाना चाहिए, ताकि वे अपने मानसिक संकायों को विकसित कर सकें और राज्य की सम्मानित इकाई बन सकें।

- यह शिक्षा प्रणाली किसी भी पूर्वाग्रह से मुक्त है और दोनों लिंगों के लिए उपलब्ध है। प्लेटो ने एथेनियन प्रणाली पर शिक्षा से महिलाओं के प्रतिबंध को स्वीकार नहीं किया, दोनों पुरुषों और महिलाओं को शिक्षा दी जानी चाहिए।
- यह मानसिक और शारीरिक विकास सुनिश्चित करता है।
- यह सख्त सेंसरशिप के माध्यम से नैतिकता में सुधार करता है।
- यह एक आदर्श और दार्शनिक योजना है।
- न्याय का तत्व इसमें महान स्थान रखता है।
- यह द्वंद्वात्मकता के पाठ्यक्रम पर जोर देता है।
- प्लेटो ने जोर देकर कहा कि शिक्षा को बच्चे का नैतिक और शारीरिक सुधार प्रदान करना चाहिए, उन्होंने कहा कि स्वस्थ मन ही स्वस्थ आत्मा में निवास कर सकता है।

<u>प्लेटो की शिक्षा पर योजना: सीमाएँ</u>

- प्लेटो की शैक्षिक योजना केवल शासक वर्गों के लिए है, न कि अधिकांश आर्थिक उत्पादकों के बच्चों के लिए।
- इसकी सेंसरशिप का मतलब है कि राज्य जो सुझाव और अनुमति देता है, उसके अलावा बोलने और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता नहीं होनी चाहिए। यह आधुनिक समय में अस्वीकार्य है।
- पाठ्यक्रम में, प्लेटो भविष्य के विधायकों के लिए वित्त, कानून और सैन्य रणनीति के किसी भी अध्ययन का प्रस्ताव नहीं करता है बल्कि केवल सार गणित का है।
- यह अधिक सैद्धांतिक और कम व्यावहारिक है।
- शिक्षा प्रणाली का यह रूप गरीबों द्वारा वहन किए जाने के लिए बहुत महंगा है।
- उनकी शिक्षा की योजना एक आजीवन प्रक्रिया है।
- प्लेटो की शिक्षा प्रणाली तर्कसंगत नहीं है एक चरण से दूसरे चरण का कोई संबंध नहीं है। राज्य का प्रशासन करने वाले दार्शनिक राजा के पास प्रशासन और अन्य समस्याओं में आवश्यक प्रशिक्षण नहीं होता है।

Note (ध्यान दें): -

- प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 150-200 शब्दों में लिखें।
- अपने हाथ से लिखे या टाइप किए गए उत्तर ईमेल पर भेजें या इसे गूगल कक्षाएं (Google Class) पर अपलोड करें।

Questions (प्रश्न): -

1. प्लेटो द्वारा सुझाई गई प्राथमिक शिक्षा की विशिष्ट विशेषताएं क्या हैं?
2. प्लेटो के शिक्षा सिद्धांत में उल्लिखित उच्च शिक्षा की विशेषताओं पर चर्चा करें।
3. क्या प्लेटो की शिक्षा की योजना आधुनिक समय में प्रासंगिक है? टिप्पणी करें।